Roll No. ……..

DVK–104

(ग्रहशान्ति एवं संस्कार विधान)

वैदिक कर्मकाण्ड में डिप्लोमा **(DVK-17)**

प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2018

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख', तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ग्रहशान्ति से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।
2. चन्द्रग्रहशान्ति विधान का उल्लेख कीजिए।
3. नामकरण एवं अन्नप्राशन संस्कार का वर्णन कीजिए।
4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) चूड़ाकरण
   (ख) उपनयन

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नवग्रहों का मानव जीवन से सम्बन्ध बताइये।
2. मूल शान्ति से क्या तात्पर्य है ?
3. शनि ग्रह शान्ति विधान का उल्लेख कीजिए।
4. यमल जनन का परिचय दीजिए।
5. ज्वरादि रोगोत्पत्ति का विचार कैसे किया जाता है ? लिखिये।
6. मानव जीवन में संस्कार की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
7. अक्षरारंम्भ संस्कार का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
8. संस्कारों के प्रयोजन का उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'संस्कार' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है ?
   (अ) उप
   (ब) सम
   (स) प्र
   (द) परा

2. श्रावण मास में मूल का वास कहाँ होता है ?

(अ) स्वर्ग

(ब) भूमि

(स) पाताल

(द) कोई नहीं

3. महर्षि व्यास के मत में संस्कारों की संख्या कितनी है ?

(अ) 15

(ब) 16

(स) 40

(द) 18

4. निम्नलिखित में मकर राशि का स्वामी कौन है ?

(अ) शनि

(ब) मंगल

(स) बुध

(द) चन्द्रमा

5. निम्नलिखित में मंगल किन दो राशियों का स्वामी है ?

(अ) मेष-वृश्चिक

(ब) वृष-तुला

(स) मिथुन-कन्या

(द) मेष-वृष

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

6. पारस्करगृह्यसूत्र में संस्कारों की संख्या ..... वर्णित है।

7. ब्राह्मणों का नामकरण संस्कार जन्म से ..... दिन करना चाहिए।

8. तृतीया ..... संज्ञक तिथि है।

9. 'जपाकुसुम संकाशं काश्यपेय महाद्युतिम् ..... 0 मन्त्र ..... ग्रह का है।

10. 'शतम्' का अर्थ ..... होता है।